RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 48 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 8 मई 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

मानसखण्ड कॉरिडोर से उम्मीद लगाए बैठे हैं

मन्दिरमाला के इस अभियान से पर्यटन को पंख लगेंगे और मर्तोली के नन्दा माई, हाट कालिका, कोटगाड़ी, बागनाथ, जागेश्वर, चितई, घोड़ाखाल, बालेश्वर चारों ओर रोजगार के साधन भी जुटेंगे

कार्यालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड में मानसखण्ड कॉरिडोर के तहत करीब 21 रोपवे बनाने की योजना है। बताया जाता है कि लोनिवि और पर्यटन विभाग भी मन्दिरमाला मिशन के तहत मन्दिरों को रोड व रोपवे कनेक्टिविटी की सम्भावना तलाश रहे हैं।

उत्तराखण्ड के गढ़वाल मण्डल में जिस प्रकार चारधाम यात्रा से वातावरण गुंजायमान रहता है, वैसा ही कुछ कुमाऊँ मण्डल में होने की बात सोचकर यहाँ के लोगों में खुशी है परन्तु इसका स्वरूप कैसा होगा यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। धार्मिक और प्राकृतिक रूप से भरे क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि पर्यटकों का रूख उनके इलाके में हो ताकि रोजगार का अवसर बने। हाट कालिका, कोटगाड़ी, चितई, घोड़ाखाल, बालेश्वर, बागनाथ, जागेश्वर तमाम जगहों से आवाज उठ रही है कि इन स्थानों के पौराणिक मन्दिरों को मन्दिरमाला अभियान से जोड़ा जाए। सीमान्त क्षेत्र में हिमालयी माँ नन्दादेवी ट्रस्ट की देखरेख में मर्तोली स्थित नन्दामाई के मन्दिर का भव्य स्वरूप बन रहा है और कोशिश है कि एक धाम के रूप में इसको भी संरक्षण मिले ताकि पर्यटकों की आवत ज्यादा हो। सरकार के मंत्री और अधकारियों की ओर से भी बार-बार विश्वास दिलाया जा रहा है कि मानसखण्ड कॉरिडोर पर सकारात्मक कार्य होंगे। भाजपा के विजन डॉक्यूमेंट की ही महत्वपूर्ण घोषणा पर धामी सरकार ने काम शुरू कर दिया है। यदि इस योजना के अनुरूप कार्य हुआ तो भविष्य में कुमाऊँ के मन्दिरों, पर्यटन स्थलों की तस्वीर बदल जाएगी। कहा जा रहा है कि केदारखण्ड में केदार धाम पर भव्य कार्य के बाद सरकार मानसखण्ड के मन्दिरों के लिये चारधाम की तर्ज पर कार्य करने की तैयारी में है। इसी में अल्मोड़ा के मल्ला महल, कटारमल का सूर्य मन्दिर, पूर्णागिरी इत्यादि भी जुड़ने हैं।

बहुत सीधी सी बात है भाजपा का विजन साफ है कि जितना प्रचार-प्रसार मन्दिरों को लेकर होगा वह लाभ ले सकती है। सरकार की कोशिश है वह अपनी पार्टी के एजेंटे को ध्यान में रखे और रोजगार के हल्ले को शान्त करने के लिये भी ऐसा कुछ हो जाए। रोजगार की सम्भावना तलाश रहे क्षेत्रवासियों में उम्मीद है कि देश-दुनिया का रुख उनकी ओर होगा तो विकास और रोजगार होगा। लेकिन इन सबसे महत्वपूर्ण यह भी है कि धार्मिक स्थलों की मान मर्यादा भी बने रहे। पर्वतीय शान्त वादियों में अशान्ति न फैले, यहाँ की भूमि पर और संस्कृति पर बुरी नजर न लगे। सजग रहना है।

चारधाम यात्रा की उमंग

पि०हि०प्रतिनिधि

चमोली/देहरादून। इन दिनों चारधाम यात्रा की उमंग है। विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की गई। कपाट खुलने के समय ही बाबा के दर्शन के लिये आठ हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुँच गये थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व कल्याण की कामना के साथ पूजा की।

स्वर्णजड़ित गर्भगृह के दर्शन

श्रद्धालुओं को पहली बार केदार धाम में स्वर्णजड़ित गर्भगृह के दर्शन हुए। कपाट खुलते ही पूजा रावल भीमाशंकर लिंग व मुख्य पुजारी शिव ने सम्पन्न कराई। मन्दिर को 35 क्विंटल फूलों से सजाया गया था। हेलीकाप्टर से धाम में फूलों की वर्षा करवाई गई। बदरीकेदार मन्दिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत, मन्दिर समिति के मुख्य कार्यकारी जोगेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

सोने का छत्र व कलश चढ़ाया

केदाननाथ पधारे एक दानदाता ने सोने का कलश व छत्र च्ढ़ाया। गत वर्ष भी इन्हीं दानदाता ने गर्भगृह की चहारदीवारी पर सोने की परत चढ़ाई थी। मन्दिर में स्वयं-भू शिवलिंग के ऊपर अब सोने का छत्र व कलश होगा। इससे पहले चाँदी का छत्र था। इस अवसर पर मन्दिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय व समिति के कार्यकारी आर.सी. तिवारी उपस्थित थे।

कपाट खुले, डोलियों का उत्सव

केदाननाथ के अलावा बदरीनाथ सहित सभी धामों के कपाट खुलने और डोलियों का उत्सव श्रद्धालुओं ने मनाया। योगबदरी मन्दिर पाण्डुकेश्वर से कुबेर जी, उद्धव जी की उत्सव डोली, गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा, आदि शंकराचार्य की गद्दी और बदरीनाथ के रावल बद्रीनाथ धाम पहुँचने का बड़ा उत्सव देखने को मिला। बद्री धाम को 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया था।

तुंगनाथ को भव्य तरीके से सजाया

तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलते समय इसे दस क्विंटल फूलों से सजाया गया। पारम्परिक वाद्ययन्त्रों की धुनों के बीच तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली अपने धाम पहुँची। कपाट खुलने के बाद मठापति रामप्रसाद मैठाणी के नेतृत्व में वेदपाठियों ने बाबा तुंगनाथ के स्वयंभू लिंग का अभिषेक, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। आगामी 6 माह तक भगवान तुंगनाथ की नित्य पूजा होगी।

तीर्थयात्रियों को सचेत रहें

मौसम के मिजाज को देखते हुए तीर्थयात्रियों को सचेत रहना होगा। इस प्रकार की सूचना प्रशासन की ओर से भी जारी हो चुकी है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने केदारनाथ में बर्फबारी देखते हुए यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने को कहा। पुलिस अधीक्षक अशोक भदाणे ने कहा कि यात्री मौसम का अपडेट और जानकारी लेकर ही आगग बढ़ें।

श्रद्धालुओं को हेल्थ एडवायजरी

चारधाम यात्रा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने हेल्थ एडवायजरी जारी की है। यात्रा में स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी होने पर हेल्पलाइन नम्बर 104 पर फोन करने की अपील की है। बीमार और 55 साल से अधिक उम्र के यात्रियों से स्क्रीनिंग फार्म भरने का अनुरोध किया गया है। हेल्थ एडवायजरी नौ भाषाओं में है ताकि बाहर से आने वाले यात्रियों को दिक्कत न हो।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों की शिकायत

उत्तराखण्ड उच्चशिक्षा में प्राचार्यों शिकायत से नई हलचल है। संयुक्त शिक्षा निदेशक की ओर से प्राचार्यों को उपस्थिति के लिये बायोमेट्रिक्स उपस्थित दर्ज कराने का आदेश दिया गया है। कहा है कि प्राचार्यों की शिकायत से महाविद्यालय एवं विभाग की क्षवि धूमिल हो रही है।

असल में रूद्र प्रताप सिंह नाम से एक पंजीकृत पत्र संयुक्त निदेशक क्षेत्रीय कार्यालय उच्चशिक्षा देहरादून को प्राप्त हुआ है जिसमें शिकायतकर्ता ने लिखा है कि उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत संचालित रा.महाविद्यालयों की गतिविधियों को नजदीक से देख रहा हूँ और बड़े दु:ख के साथ अवगत करा रहा हूँ कि कई रा.महाविद्यालयों में प्राचार्य किसी सप्ताह या तो आ ही नहीं रहे हैं या सप्ताह में एक-दो दिन आ रहे हैं। इनके आने-जाने ठहराव का कोई हिसाब नहीं है। गरीब घरों के बच्चे कई आशाओं के साथ कालेजों में प्रवेश लेते हैं लेकिन व्यवस्था लचर है। पत्र में प्राचार्यों हेतु शख्त कदम उठाने को कहा गया है। साथ ही चेतावनी भी दी है कि यदि सुधार नहीं हुआ तो अनियमितताओं के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जायेगा।

इस शिकायती पत्र से ही समझा जा सकता है कि उच्चशिक्षा के हालात कैसे हो चुके हैं। ऐसा नहीं है कि महाविद्यालय से गायब रहने वाले प्राचार्य एक-दो हों, ऐसे कई उदाहरण हैं। इनकी चर्चा घर-गाँव-कस्बों-शहर में होती है। बताया जाता है कि अपना बचाव करने के लिये किसी चहेते को चार्ज देकर गायब रहने वाले प्राचार्य पहले से ही ऐसा करते रहे हैं। मोटी पगार लेने वाले इन कार्मिकों को इस बात की काई चिन्ता नहीं है कि दूसरे घरों के बच्चे किन परिस्थितियों में पढ़ने आते हैं। साथ ही जिस बात का वेतन लिया जा रहा है उसके लिये कितनी ईमानदारी इनके द्वारा की जा रही है। यह सब कहने-सुनने-लिखने में कड़वा है लेकिन ऐसे गुरुजनों को अपने आप पर विचार करना चाहिये। पचता वही है जो ईमानदारी का हो। अपने घर परिवार की चिन्ता बेशक करें लेकिन जिससे रोटी है उसको भी न भूलें।

पुस्तक विमोचन

गांधी की राह.....

दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र तथा समय साक्ष्य प्रकाशन की ओर से दून पुस्तकालय के सभागार में लेखक सुनील भट्ट की देहरादून के इतिहास पर सद्य प्रकाशित कृति गांधी की राह पर देहरादून 1919-1947 के लोकार्पण व पुस्तक पर चर्चा का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि सुरजीत किशोर दास, पूर्व मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड थे। मुख्य वक्ता के रूप में अनिल नौरिया, लेखक और अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली मौजूद थे। बिजू नेगी, गांधीवादी विचारक और लोकेश ओहरी, समाज विज्ञानी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस पुस्तक की समीक्षा संजय कोठियाल, सम्पादक युगवाणी ने की। कार्यक्रम का संचालन इतिहासकार डॉ. योगेश धस्माना ने किया। उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद दून पुस्तकालय के प्रोग्राम एसोसिएट चन्द्रशेखर तिवारी ने दिया। कार्यक्रम में तन्मय ममगाईं, प्रकाशक प्रवीन भट्ट, रानू बिष्ट, सुन्दर सिंह बिष्ट, दून विश्वविद्यालय के डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला सहित शहर के प्रबुद्धजन, इतिहासकार, साहित्यकार, लेखक व युवा पाठक व अन्य लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्य सचिव एस. के. दास मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आजादी के आन्दोलन में उत्तराखण्ड का खूब योगदान रहा। उन्होंने देश भले ही 15 अगस्त को आजाद हुआ लेकिन अल्मोड़ा में 8 अगस्त को ही स्वतंत्रता का झण्डा फहरा दिया गया था। उन्होंने कहा कि उस दौर में कांग्रेस एक पार्टी नहीं बल्कि एक आन्दोलन थी। मुख्य व क्ता ये सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता व लेखक अनिल नौरिया ने कहा सुनील की किताब विभिन्न वर्गों की आजादी के आन्दोलन में योगदान को रेखांकित करती है। यह किताब बताती है कि आजादी के आंदोलन में कौन सक्रिय था कौन जेल जा रहा था। उन्होंने कहा कि देहरादून देश की आजादी के केन्द्र में रही और इसे देश की राजधानी के लिए भी कंसीडर किया गया था। उन्होंने कहा कि सिर्फ गांधी ही नहीं बल्कि मोती लाल नेहरू, पटेल, नेहरू आदि भी देहरादून आते रहे। गांधीवादी विजु नेगी ने कहा कि नेहरू 4 साल से अधिक समय तक देहरादून की जेल में रहे। नेहरू ने अपनी विश्व इतिहास पर किताब भी देहरादून जेल में ही लिखी। देहरादून के खाराखेत में आजादी के आन्दोलन के दौर में नमक सत्याग्रह हुआ था। इतिहासकार व समाज सेवी लोकेश ओहरी ने कहा कि देहरादून की जेल और तहसील जैसे भवन आजादी के दौर से जुड़ी रही हैं लेकिन इन्हें मिटाया जा रहा है। इतिहास को स्थानीय सन्दर्भों से जोड़े जाने की जरूरत है। युगवाणी के सम्पादक संजय कोठियाल ने पुस्तक की समीक्षा करते हुए उत्तराखण्ड में गांधी की यात्राओं का विवरण भी रखा। पुस्तक के लेखक सुनील भट्ट ने कहा कि इस पुस्तक को लिखने की प्रेरणा देहरादून के क्रिश्चियन रिट्रीट सेन्टर में गांधी जी द्वारा रोपे गये पेड़ से मिली।

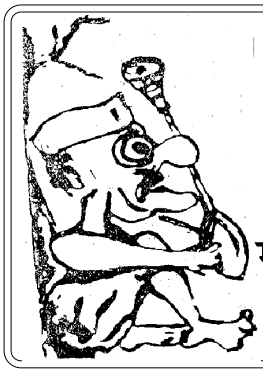

फसक

दाज्यू, ठगों का सीजन हमेशा होने वाला ठैरा

मकान, दुकान, नौकरी के नाम पर दबादब लुट्योव हो रही है बल

दाज्यू, यात्रा सीजन पर पर्यटकों व आस्थावनों का आना-जाना लगा है। हम ठैरे घुमन्तु तो लगता है ये सभी मौजी होंगे। हरिद्वार जाकर पता चला कि दुनिया में बड़े-बड़े मौजी हैं। आस्था की नगरी हुई हरिद्वार। रगड़-रगड़ कर पाप छुटाने के लिये गंगा घाट पर कपड़े खोल रहे उमाशंकर से पूछा गया कि वह आस्थावान लग रहे हैं कहाँ से आए हैं? वह बोले- 'बांदा से आया हूँ, दो मकान देहरादून और एक रुद्रपुर में है। पहाड़ में जमीन तलाशी जा रही है काम फैलाना है।' दाज्यू, उमाशंकर की बातों से लग रहा था वह नौकरी दिलाने का उद्योग खोलने वाले हैं। हमारी समझ में नहीं आ रहा है कि पहाड़ में जगह-जगह घेराबाड़ी कर वह ऐसा क्या करेंगे? यहाँ तो धामों के कपाट खुलने से यात्रा सीजन शुरु होता है। ठगों का सीजन हमेशा होने वाला ठैरा। मकान, दुकान, नौकरी के नाम पर दबादब लुट्योव हो रही है बल। सितारगंज निवासी सिपाही कुलवन्त सिंह को मकान बेचने के नाम पर 27 लाख ठग लिये हैं। कुलवन्त बेचारा क्या करे। पत्नी का मुंह बोला भाई बनकर मकान बेचने का सौदा कर दिया। अपने को सूबेदार बता अग्निवीर बनाने का झांसा देने वाला ठग भी पुलिस पकड़ लिया है।

सरकार कह रही है दस जून तक सभी विभागों में कर्मियों व अधिकारियों के तबादले होंगे। कार्मिक विभाग की ओर से भी समस्त सचिवों और विभागाध्यक्षों को आदेश जारी हुआ है। भगवान जाने क्या जो होन वाला है। अपना गोपू दा बोरिया-बिस्तर बांधकर तैयार है। कह रहा था- '13 साल से ज्यादा हो चुके हैं कोई नहीं सुन रहा है। शहर में मैडम ने आसन लगा रखा है उनका बहुत तगड़ा जुगाड़ है।' दाज्यू, देख लेते हैं इस बार भी कैसा जैसा जो होने वाला है।

पहाड़ सुरक्षित हैं कहा जाता था, अब कहाँ रही वह बात और वह लोग। धारचूला के कालका जीआईसी में ताला तोड़कर सामन चोरी हो गया बल। डीडीहाट के अम्बेडकर वार्ड में लगे सीसीटीवी ही चोरी चले गये ठैरे। कौन क्या कर लेगा ऐसे में? हल्द्वानी में दोस्त का बेटा बनकर 25 लाख रुपये ठगने का मामला भी सुनाई दे रहा है। कनाडा में एक आपराधिक मामले से बचने के नाम पर रकम ऐंठ ली बल। दाज्यू, विदेश घुमाने, नौकरी के नाम पर भी ठग्योव हो रही ठैरी। काशीपुर में भी अज्ञात व्हट्एप कॉल से परिचित बताकर 25 लाख की ठगी कर ली बल।

रुद्रपुर में और ही और हो रही है। विधायक व प्रशासन के नाम पर वसूली का आरोप लगाते हुए सीएनजी ऑटो चालकों ने जुलूस प्रदर्शन कर डाला। विधायक शिव अरोरा ने कहा- 'वर्ष 2005 से वर्ष 2023 तक दो-दो विधायकों के कार्यकाल से एक ही ठेकेदार ऑटो चालकों का संचालन कर रहा है। आरोप द्वेष भावना से लगाया है।' दाज्यू, रुद्रपुर बड़ा शहर हो गया है कुछ भी हो सकने वाला हुआ। अब बताओ जरा ये क्या हो रहा है- रामनगर के मालधन गौतमनगर में युवक ने नशा करने के लिये पैसे नहीं देने पर अपनी माँ पर फावड़े से हमला कर दिया। हमले में माँ के दोनों पैर और हाथ ही हड्डी टूट गई।

भ्रष्टाचार और आय से अधिक सम्पत्ति के आरोप में यूपीसीएल के 6 इंजीनियरों की विजिलेंस ने खुली जाँच शुरु कर दी है बल। बताया जा रहा है कि काशीपुर, रुद्रपुर और सितारगंज क्षेत्रों में गड़बड़ हुई है। हमने सुना था लम्पी वायरस से पशुओं में आफत मची है और स्वास्थ्य विभाग का शिविर लगने वाला है। हम भी अपने बोहड़े और दो जानवरों को लेकर कैम्प में जाने लगे तभी पता चला कि खटीमा से एक अश्लील वीडियो महिला को भेजने वाला पकड़ा गया है। दाज्यू, लम्पी वायरस तो काबू में आ जायेगा लेकिन ये वीडियो बनाने और वायरल करने वालों का क्या होने वाला है। इनकी तायदाद बढ़ती जा रही है बल। दाज्यू, वनकर्मियों को घर बनाने के लिये दो घनमीटर लकड़ी मुफ्त मिलने की घोषणा के बाद अपना गोपू दा बहुत खुश है। कह रहा था- 'रेंजर साब ने पहले ही फिट कर रखा है।' दाज्यू, लक्कड़-पत्थर का खेल-तमाशा ठैरा दुनिया में। भोग-विलास के लिये मर मिटने वाले हुए।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

हालत खराब

ज्योलीकोट से भीमताल मोटर मार्ग का कोई सुधलेवा नहीं

नन्दा बल्लभ पाण्डे

उत्तराखण्ड राज्य स्थापित हुए 22 वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो चुका है। तब से अब तक कई सरकारें बदल चुकी हैं जिन्होंने कई मोटर मार्ग बिछा दिये और बिछाये जा रहे हैं लेकिन ज्योलीकोट से भीमताल तक के मोटर मार्ग निर्माण की कोइ सुध नहीं ली। इसका कारण उत्तराखण्ड सरकार और निर्माण विभाग के अधिकारी ही जानें। जबकि सर्वविदित है कि ज्योलीकोट क्षेत्र का विकासखण्ड मुख्यालय भीमताल भीमताल में है। भीमताल में कई जिलास्तरीय सरकारी कार्यालय हैं जहाँ ग्रामवासियों को समय समय पर सम्पर्क स्थापित करने हेतु जाना पड़ता है लेकिन वहाँ जाने के लिये कोई निकटवर्ती मार्ग नहीं होने के ग्राम वासियों को भीमताल जाने के लिये भवाली होते हुए लम्बी दूरी के मार्ग से जाना मजबूरी है। यदि ज्योलीकोट से भीमताल के लिये सड़ियाताल व साततल होते हुए निकटवर्ती मोटर मार्ग बनाया गया होता तो ग्रामवासियों को इससे काफी सुविधा होती। राष्ट्रीय मार्गों से यातायात का दवाब भी कम होता क्योंकि इन मार्गों पर चक्काजाम की स्थिति बनी रहती है जिससे यात्रियों व पर्यटकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

ज्योलीकोट से भीमताल मार्ग बन जाने पर यह वाईपास मार्ग विकल्प बन सकता है। इससे साततल एक पर्यटन स्थल के रूप में ज्यादा विकसित होगा तथा यहाँ निकट में वनखण्डी बाबा का आश्रम, हिडिम्बा देवी का मन्दिर भी पर्यटकों के लिये आसान होगा। पर्यटन विकास की दृष्टि से ज्योलीकोट-भीतमाल मध्य मार्ग बनने पर यह भीमताल के अलावा यह पहाड़ी जिलों पिथौरागढ़ चम्पावत जाने के लिये भी काफी आसान बन सकता है। इन सारी सम्भावनाओं व जरूरत के बावजूद इस ओर उपेक्षा ही हुई है। शासन को इस ओर ध्यान देना चाहिये जिससे बड़ी आबादी को लाभ होगा और यातायात की दिशा में बढ़ते कदम से विकास भी होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

यात्रा सीजन

चुनौतियों की सड़क पर चारधाम का सफर

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

सरकार के लिए चुनौती वाली बात इसलिए भी है कि पिछले साल की तुलना में इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं। इसका तस्दीक चारधाम यात्रा के पोर्टल पर यात्रियों के पंजीकरण से हो रहा है। अभी तक लगभग छह लाख 51 हजार लोग चार धाम यात्रा के लिए अपना पंजीयन करवा चुके हैं। अकेले बदरीनाथ के लिए चार लाख बारह हजार से अधिक पंजीयन है। इसके अलावा सरकार ने घोषणा आकर दी है कि उत्तराखण्ड के स्थानीय लोगों को पंजीयन के जरूरत नहीं हैं। हेलीकाप्टर सेवा का पंजीयन शुरू हुआ और 30 अप्रैल तक के सभी 6263 टिकट बिक गए। याद रहे गत वर्ष एक लाख 36 लोगों ने हेलीकाप्टर सेवा का इस्तेमाल किया था। विदित हो गंगोत्री-यमनोत्री के पट 22 अप्रैल को खुल जाएंगे, जबकि बदरीनाथ के 27 को। इसी साल जनवरी में जोशीमठ शहर का धंसना-फटना शुरू हुआ था, जो अभी भी जारी है, बस अब किसी को उसकी परवाह नहीं हैं। ऋषिकेश से बदरीनाथ तक का राष्ट्रीय राजमार्ग जोशीमठ होते हुए ही चीन की सीमा पर बसे माणा तक जाता है। इस मार्ग का 12 किलोमीटर हिस्सा जोशीमठ से गुजरता है, जो कि इस समय अनिश्चितता और आशंका के गर्त में है। जोशीमठ में बरपे कुदरती कहर के बाद 81 परिवारों के 694 लोगों पर नई आफत आ गई है, क्योंकि अभी तक तो ये लोग शहर के निरापद हिस्से में बने होटल-धर्मशालाओं के एक-एक कमरे में जैसे तैसे दिन बिता रहे थे, अब इनको यह स्थान खाली करने को कह दिया गया है, क्योंकि चार धाम यात्रियों की बुकिंग आने लगी है। सरकार ने ढाक में कुछ प्रीफेबिक्रेड मकान बनाए हैं, लेकिन अभी न तो उनका वितरण हुआ है और न ही वे इंसान के रहने लायक हो पाए हैं। एक बिखरे, कराह रहे और अनहोनी के अंदेशे से सहमे चमोली से ले कर जोशीमठ तक के रास्तों पर जब हर दिन पाँच हजार से अधिक वाहन और हजारों लोग गुजरेंगे तब इसके प्रति कोई सम्वेदना नहीं होगी कि जिन पहाड़ों, पेड़ों, नदियों ने पाँच हजार साल से अधिक तक मानवीय सभ्यता, आध्यात्म, धर्म, पर्यावरण को विकसित होते देखा था, वह बिखर चुके हैं। न सड़क बच रही है न मकान। न ही नदी की किनारे। आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित स्थान, मूल्य और संस्कार का क्या होगा? आँसुओं से भरे चेहरे और आशंकाओं से भरे दिल अनिश्चितता और आशंका के बीच त्रिशंकु हैं। जब दुनिया पर जलवायु परिवर्तन का कहर सामने दिख रहा है, हिमालय पहाड़ पर, विकास की नई परिभाषा गढ़ने की तत्काल जरूरत महसूस हो रही है। तब हम इन सभी खतरों को नजरंदाज कर हजारों लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। इस समय चमोली के गोचर से बदरीनाथ तक के 131 किलोमीटर लम्बे मार्ग पर 20 स्थान ऐसे हैं, जहाँ लगातार भूस्खलन हो रहा है। मारवाड़ी क्षेत्र में सर्वाधिक मलवा गिर रहा है। चटवा पीपल से पंच पुलिया के बीच का हिस्सा, नन्दप्रयाग का पर्थाडीप का हिस्सा, मैठाणा, कुहड़ से बाजपुर के बीच का हिस्सा, चमोली चाड़ा, बिरही चाड़ा, भनारपानी, हेलंग चाड़ा, रेलिंग से पैनी तक, विष्णुप्रयाग से टैया पुल के पास तक का हिस्सा, खचड़ानाला, लामबगड़ से जेपी पुल तक का हिस्सा, हनुमान चट्टी से रड़ांग बैंड के बीच वाले हिस्से में कभी भी पहाड़ गिर सकते हैं, यह बात प्रशासन ने स्वीकार की है। यमुनोत्री जाने वाला उत्तरकाशी के धरासू से जानकी चट्टी तक के 110 किलोमीटर सड़क को नाम भले ही हाई वे का दिया हो, लेकिन डीआईजी गढ़वाल खुद यमुनोत्री हाईवे की स्थिति को बेहद खराब बता चुके हैं। वे कह चुके हैं कि हाईवे पर कई स्थानों पर बोटल नेक है, चौड़ीकरण का कार्य भी चल रहा है, इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जिला प्रशासन ने राना चट्टी व किसाला मोड़ पर हाईवे को सम्वेदनशील बताया है। इसके अलावा कुथ्नौर पूल, पालिगढ़, नागेला, फूलचटी जैसे सात स्थान भूस्खलन प्रभावित घोषित हैं। केदारनाथ धाम जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड का 75 किलोमीटर मार्ग लगातार धंस रहा है। प्रशासन उसमें मलवा भर रहा है, लेकिन थोड़ी बरसात होते ही मलवा भी बह जा रहा है और दरारें गहरी हो रही हैं। चिन्यालीसौड से गंगोत्री तक का 140 किलोमीटर लम्बा रास्ते के 52 किलोमीटर को मालवा गिरने के लिए अति सम्वेदनशील घोषित किया गया है। जान लें पहाड़ पर जहाँ-जहाँ सर्पीली सड़क पहुँच रही है, पर्यटक का बोझा बढ़ रहा है, पहाड़ों के दरकने-सरकने की घटनाएं बढ़ रही। उत्तराखण्ड सरकार के आपदा प्रबन्धन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था, जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखण्ड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किए गए। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजका हो रहा है। चार धाम यात्र के लिए एक बड़ी चुनौती बेमौसम बर्फबारी होना भी है। मार्च महीने के आखिरी हफ्ते में जमकर बर्फबारी हो गई। पहले तो यहाँ बर्फ साफ कर दी गई थी, लेकिन लगातार हो रही बर्फबारी के कारण फ़िर से यहाँ बर्फ जमने लग गई है। लगातार हो रही बर्फबारी के कारण केदारनाथ धाम में द्वितीय चरण के पुनर्निर्माण कार्य भी शुरू नहीं हो पा रहे हैं। इस कार्य के लिए पहुँचे मजदूर लगातार मौसम खराब रहने के कारण नीचे भी लौट आए हैं। अब मौसम साफ होने पर मजदूर दोबारा केदारनाथ धाम जाएंगे। केदारनाथ मंदिर परिसर में चार से पाँच फीट बर्फ जमी थी, जिसे मजदूरों ने साफ कर दिया था, लेकिन लगातार हो रही र्बफबारी के कारण मंदिर परिसर में फिर से र्बफ जमने लग गई है। हेलीपैड से केदारनाथ में लगातार र्बफ की सफाई जारी है। यहाँ मशीनों के जरिए भी र्बफ को साफ किया जा रहा है। हालांकि इसके बाद एक बार फिर केदारनाथ पैदल मार्ग ने फिर से बर्फ की चादर ओढ़ दी है। मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी करते हुए चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के 3500 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले स्थानों में बर्फबारी की सम्भावना जताई है। यात्रा से ठीक पहले कोविड 19 महामारी के बढ़ते मामलों से सरकार चौकन्नी है। सरकार के लिए चुनौती वाली बात इसलिए भी है कि पिछले साल की तुलना में इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्र पर आ रहे हैं। इसका तस्दीक चारधाम यात्रा के पोर्टल पर यात्रियों के पंजीकरण से हो रहा है। इस साल बड़ी संख्या में यात्री जुटेंगे, इसे देखते हुए हमारी सरकार ने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। केन्द्र सरकार ने भी हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया है। पर्यटन और तीर्थाटन कारोबार भी चले और यात्रियों व पर्यटकों की यात्र भी सुगम और सुरक्षित हो, इसके लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं स्वाभाविक तौर पर चारधाम यात्रा में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी। लेकिन हमारी प्राथमिकता संख्या बढ़ाने पर नहीं बल्कि गुणवत्तापरक यात्रा पर होनी चाहिए। अभी भी चारधाम यात्रा के प्रबन्धन के लिए काफी कुछ किए जाने की आवश्यकता है। सर्वे पाया कि लोग ट्रैफिक जाम, पार्किंग, कचरे की समस्या को लेकर चिन्तित हैं।

शराब दुकान के आवंटन में चम्पावत प्रथम

चम्पावत। चम्पावत जिले में शराब की सभी दुकानें आवंटित हो चुकी हैं। जिले की विदेशी शराब की दुकानों के आवंटन के साथ यह प्रदेश का पहला जिला बन गया है।

शत-प्रतिशत दुकानों के आवंटन में प्रथम स्थान पाने वाले चम्पावत के आबकारी अधिकारी तपन कुमार पाण्डेय ने बताया कि अब तक दैनिक आधार पर संचालित चम्पावत जिले की विदेशी शराब की दुकानों का भी आवंटन पूर्ण हुआ। 14 दुकानों का आवंटन पहले हो चुका था। अब शेष बची 15 दुकानों का भी आवंटन हुआ।

ज्योतिष की बातें - 125

10 मई 2023 को मंगल मित्रराशि कर्क में प्रवेश करेगा। वहाँ पर कोई शुभाशुभ दृष्टि भी नहीं होगी। इस कारण मंगल अत्यन्त बलवान रहेगा। मंगल स्वास्थ्य, धैर्य, कर्मठता, साहस, पुरुषार्थ, कर्तव्य परायणता, नेतृत्व क्षमता, ख़ढ़ निश्चय, युद्ध एवं खेलकूद, शत्रु पर विजय, भूमि-भवन-वाहन का लाभ, यश एवं कीर्ति, मशीनरी इंजीनियरिंग एवं विद्युत का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार मंगल त्रिषडाय भावों में शुभफ़ल प्रदान करता है। साथ ही कर्क एवं सिंह राशियों के लिए मंगल योगकारक होता है। अत: अगले 53 दिन मंगल अपने कारक विषयों में वृषभ, कर्क, सिंह, कुम्भ एवं कन्या राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा ।

यहाँ पर गोचर फल केवल मंगल के गोचर के अनुसार वर्णित किया गया है। अन्य ग्रहों के गोचर का विचार नहीं किया गया है। व्यक्ति विशेष के लिये सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**

ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 16

उच्चशिक्षा का व्यवसाय

इस समय उच्च शिक्षा अत्यधिक महंगी हो गई है। B-Ed पर खर्च 50 हजार से 1 लाख तक, फार्मेसी पर 2 लाख से 5 लाख तक, एलएलबी पर खर्च 3 लाख से 10 लाख तक, इंजीनियरिंग पर 5 लाख से 20 लाख तक, एमबीए पर खर्च 20 हजार से 40 लाख तक और मेडिकल की पढ़ाई पर खर्च 20 लाख से एक करोड़ तक हो रहा है। इतनी महंगी शिक्षा एक आम आदमी अपने बच्चों को नहीं दिला सकता, बच्चा चाहे कितना ही मेधावी हो। एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति भी अच्छे संस्थान से मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई अपने बच्चों को नहीं करा सकता।

उच्च शिक्षा इतनी महंगी होने के दो कारण हैं। पहला कारण तो शिक्षा का व्यवसायीकरण हो जाना है जिसमें ज्ञान का प्रसार नहीं होता है अपितु प्रमाण पत्रों का वितरण होता है। शिक्षा पर होने वाला व्यय वास्तव में ज्ञान के लिए न होकर प्रमाण पत्रों और लाइसेंस पाने के लिये ही होता है।

पढ़ाई महंगी होने का दूसरा कारण है पढ़ाई में शिक्षकों का महत्व कम होकर बड़ी-बड़ी मशीनों, बड़े-बड़े उपकरणों, बड़ी-बड़ी लैब का महत्व अधिक हो गया है। करोड़ों के उपकरण और अरबों की लैब अब स्थापित होने लगी है। शिक्षा का माध्यम ही शिक्षक न होकर अब टेक्नोलॉजी हो गया है ।

शिक्षा की पहुँच आम आदमी तक हो सके इसके लिए आवश्यक है कि प्रमाण पत्रों का महत्व कम किया जाए, ज्ञान को महत्व अधिक दिया जाए। दूसरा संस्थानों में सामान्य सस्ते उपकरणों से ही शिक्षा दी जाए। करोड़ों के उपकरण संस्थानों में अनिवार्य न किए जाएं। माडल रूप से ही प्रयोगात्मक शिक्षा दी जानी चाहिए। जहाँ तक वास्तविक अभ्यास की बात है उसके लिये ऑन जॉब ट्रेनिंग दी जानी चाहिए ।

-सरल

ओऽबाऽब रे

डिग्री कालेज के प्राचार्य गायब हो रहे हैं

उच्चशिक्षा का गड्ढे में डालने की तैयारी चारों ओर से है। इसी प्रकार की शिकायत के बाद शासन ने पत्र जारी हुआ है कि प्राचार्यों की बायोमैट्रिक हाजिरी भी लगनी जरूरी है। बताया जा रहा है शिकायत है कि कई प्राचार्य अपने मुख्यालय के लिये बहुत दूर से आना-आना करते हैं या बहुत दिनों के लिये बिना कारण के गायब हो जाते हैं।

पूर्णागिरी रोपवे सर्वे में लग चुके 5 करोड़

पूर्णागिरी रोपवे सर्वे और स्वाइल टेस्टिंग में 5 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। आठ साल पहले रोपवे बनाने की घोषणा के बाद से यह सब क्या हो रहा है यह जानकर हैरानी होती है। 2015 में तत्कालीन सीएम हरीश रावत ने इसकी घोषणा की थी। बताया जा रहा है कि रोपवे का कार्य अब शुरु होगा।

यूओयू में नए सत्र से महंगी होगी पढ़ाई

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में नए सत्र से पढ़ाई महंगी होने वाली है। बताया जा रहा है कि नए सत्र में एनईपी लागू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। पाठ्यक्रम भी तैयार है, जिसमें अकादमिक परिषद और कार्य परिषद की मुहर लगनी है। साथ ही शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव भी है।

होमस्टे कर्मियों ने किया दुष्कर्म का प्रयास

भीमताल। नौकुचियाताल मार्ग पर स्थित एक होमस्टे के तीन कर्मचारियों ने मथुरा से पर्यटकों संग आई नौकरनी के साथ्ल दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़ित ने अपने साथियों के साथ थाने में आपबीती बताई। तीनों आरोपी जेल में हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बरसात तक तैयार हो जाएगा विद्युत शवदाह गृह

हल्द्वानी। रानीबाग चित्रशिला घाट पर इस बार की बरसात तक विद्युत शवदाह गृह बनने की उम्मीद है। 2 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत से इलेक्ट्रिक शवदाह गृह बन रहा है।

नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय के अनुसार मई के बाद रानीबाग चित्रशिला घाट पर बन रहा विद्युत शवदाह गृह शुरु हो जाएगा। इसका निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है। करीब 2.71 करोड़ की लागत से बन रहे इस शवदाह गृह में शीघ्र ही शवों का अन्तिम संस्कार किया जा सकेगा। बताते चलें कि घाट पर एक इलेक्ट्रिक शवदाह गृह और 5 परम्परागत शवदाह गृह बनाए गए हैं। हल्द्वानी समेत आसपास तमाम जगह से लोग शवों को अन्तिम संस्कार के लिये चित्रशिला घाट पर लाते हैं। बरसात के दिनों में गौला का जलस्तर बढ़ने से शव को जलाने में परेशानी होती है। लकड़ियां गीली होने व अन्य प्रकार की दुर्घटना का भय रहता है। ऐसे में काफी समय से विद्युत शवदाह गृह की मांग की जा रही थी ताकि इस मान्यता प्राप्त और बड़े घाट पर सुविधाएं मिल सकें। आधुनिक शवदाह गृह बनने से नदी का जल प्रदूषित होने से बचेगा। इसके अलावा भी स्वच्छता के लिये अभी और कार्य जरूरी हैं।

व्यास नगर गाँव को नगर पालिका में शामिल करें

पिथौरागढ़। धारचूला के निकट स्थित व्यास नगर गाँव को धारचूला नगर पालिका में शामिल करने की मांग उठ रही है। भाजपा ने इसको लेकर जिलाधिकारी रीमा जोशी को ज्ञापन प्रेषित किया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि व्यास नगर कस्बा धारचूला पालिका के निकट स्थित है। इस गाँव में 175 जनजाति परिवार निवास करते हैं। यह परिवार माइग्रेशन करते हैं। व्यास नगर गाँव के निकट रांथी ग्राम पंचायत आती है। व्यास नगर को पिछले तीस सालों से ग्राम पंचायत की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला है। व्यास नगर में घनी आबादी है, जहाँ पर स्वच्छता के साथ साथ अन्य सुविधाओं का घोर अभाव है। व्यास नगर से प्रतिदिन डेढ़ सौ के आसपास बच्चे स्कूल प्रतिदिन पढ़ने के लिये धारचूला जाते हैं।

बताया है कि मानसून काल में धारूचला से व्यास नगर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यास नगर को किसी तरह की सरकारी योजनाओं के सहाने ही रहना पड़ता है। ज्ञापन में कहा गया है कि व्यास नगरवासी स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शहरी विकास को देखते हुए नगर पालिका में सम्मिलित होना चाहते हैं। इन्हीं कारणों से व्यास नगर क्षेत्र को धारचूला नगर पालिका में शामिल कर लिया जाए। ज्ञापन देने वालों में भाजपा प्रदेश मंत्री विरेन्द्र सिंह, नगर मण्डल अध्यक्ष महेश सिंह गर्ब्याल, योगेश गर्ब्याल, लीला बोनाल आदि शामिल थे।

दूसरी ओर ढूंगातोली से तवाघाट तक एनएच चौड़ीकरण की मे जद में आ रहे रहे सैकड़ों परिवारों को मुआवजा वितरण की कार्यवाही शुरु न होने का रोष भी दिखाई दे रहा है। अब बताया जा रहा है कि पुनर्वास के लिये अभी छह माह इन्तजार करना होगा।

सामिया बिल्डर्स ग्रुप की संपत्ति नीलाम होगी

रुद्रपुर। करोड़ों रुपये का घपला करने के आरोप में उलझी सामिया इंटरनेशनल बिल्डर्स ग्रुप पर पुलिस का शिकंजा कस चुका है। रियल स्टेट रेग्युलेटरी आर्थेरिटी ने अपना फैसला सुनाते हुए सामिया ग्रुप की सम्पत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया है और राजस्व विभाग की ओर से नीलामी की तिथि तय कर दी है। इन फैसलों से ठगी का शिकार हुए लोगों ने राहत महसूस की है।

बताया जा रहा है कि काशीपुर हाईवे स्थित सामिया बिल्डर्स ग्रुप की ठगी के शिकार आम से लेकर खास तक हुए हैं। ग्रुप ने प्लाट, मकान और दुकान के नाम पर ठगी की। 14 अप्रैल को पुलिस कार्रवाई के बाद अब तक 22 से अधिक शिकायती पत्रों पर जाँच चल रही है। इसके अलावा 60 से ज्यादा लोगों ने ठगे जाने पर न्याय की गुहार लगाई है। इनमें पीएसी कर्मी, पुलिस कर्मी, शिक्षक, सेवानिवृत्त फौजी, कारोबारी शामिल हैं।

बिल्डर्स की सम्पत्ति नीलामी होने का फैसला आने के बाद रुद्रपुर तहसील विभाग ने अपनी सारी तैयारी कर ली है। तहसीदार ने बताया है कि भू-सम्पदा देय के बकायदार सामिया इंटरनेशनल बिल्डर्स प्राइवेट लि. की गाँव दानपुर तहसील रुद्रपुर पर 25984748 रुपये एवं अन्य वसूली के लिए अवशेष हैं। 15 अप्रैल की सुबह 11 बजे नीलामी की कार्रवाई होगी।

द्वाराहाट में अल्ट्रासाउंड सुविधा का लाभ नहीं

अल्मोड़ा/द्वाराहाट। जनपद की सबसे बड़ी तहसील द्वाराहाट में स्वास्थ्य सेवाएं लचर बनी हुई हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में वर्षों पूर्व स्थापित अल्ट्रासाउंड मशीन एक महीने से ठप है, जिस कारण दूर दराज से आने वाले रोगियों और गर्भवती महिलाओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रानीखेत राजकीय अस्पताल से रेडियोलाजिस्ट सप्ताह में एक बार अल्ट्रासाउंड करने आते थे लेकिन अब फिर से व्यवस्था चरमरा गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 2004 में पूर्व विधायक स्व. विपिन त्रिपाठी के प्रयासों से अल्ट्रासाउंड मशीन की स्थापना हुई थी। मशीन स्थापित होने के बाद से ही यहाँ स्थायी रेडियोलाजिस्ट की नियुक्ति नहीं हो सकी। वर्षों तक मशीन यूं ही कोरी धरी रही। इसके बाद कई बार का प्रदर्शन आन्दोलन किया गया तो वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर कभी अल्मोड़ा से तो कभी रानीखेत से सप्ताह में एक दिन रेडियोलाजिस्ट यहाँ सेवाएं दे रहे थे। पिछले एक महीने से यह सेवा भी बन्द है।

रानीखेत राजकीय चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. के.के. पाण्डे ने बताया है कि रेडियोलाजिस्ट डॉ. हर्षबर्धन पन्त का स्थानान्तरण हो गया है। उनके स्थान पर अब कुछ दिनों पहले नए रेडियोलाजिस्ट आए हैं। कुछ दिनों में व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया जायेगा।

यह भी बताते चलें कि चिकित्सा के नाम पर रानीखेत में प्राइवेट अस्पताल हैं लेकिन इनमें बार-बार इलाज के नाम पर अत्यधिक लूट के आरोप लग रहे हैं। मजबूर जनता को मनमानी फीस और इलाज के नाम पर परेशान होना पड़ रहा है।

दन्या महाविद्यालय का भवन शीघ्र बनेगा

दन्या। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व कालाढूंगी विधानसभा सीट पर वर्तमान विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि दन्या महाविद्यालय का भवन शीघ्र बनेगा। प्रदेश सरकार ने भवन निर्माण के लिए 5 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की है। क्षेत्र वासियों की मांग पर मिनी स्टेडियम का निर्माण भी शुरु होगा।

श्री भगत ने अपने दन्या दौरे में यह बातें कही। उनके यहाँ पधारने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सभा को सम्बोधित करते हुए भगत ने कहा कि सरयू-दन्या लिफ्ट पेयजल योजना की उच्च स्तरीय जाँच करवाकर उन्होंने तीन दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों की पेयजल किल्लत दूर करवाई थी।

उन्होंने कहा कि यहाँ पर महाविद्यालय तत्काल संचालित हो, इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री धामी से विशेष आग्रह किया था। उन्होंने सीएम का आभार जताते हुए कहा कि महाविद्यालय भवन के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि अवमुक्त हो चुकी है और स्थल विकास का कार्य शुरु हो चुका है।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने भगत का स्वागत करते हुए क्षेत्र की तमाम समस्याओं के निराकरण के लिये किये गये प्रयासों को सराहा। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह डसीला, देश दीपक पन्त, राकेश भट्ट, हरीश जोशी, मनोज पन्त, हरीश दरम्वाल मौजूद थे। इसके अलावा यह भी चर्चा भी है कि दन्या के महाविद्यालय में वर्तमान स्थिति सुचारु नहीं है। वहाँ तैनात स्टाफ को लेकर खुसर-फुसर हो रही है। शिक्षकों का ठहराव कितना है देखना चाहिये।

जंगलात और सरकारी जमीनों से कब्जे हटेंगे

उत्तराखण्ड में इन दिनों जंगलात की भूमि पर अवैध मजारों को हटाने का अभियान शुरु होते ही नई ही हलचल है। धामी सरकार ने इसके लिये पहले ही तानाबाना बुन डाला था और जंगलात की जमीन को मजार के बहाने घेरने की कोशिशों को नाकाम करने का ऐलान हुआ था। इस बीच फिर से ऐलान हुआ है कि जंगलात के साथ सरकारी जमीनों के कब्जे भी हटेंगे। मुख्यमंत्री की समीक्षा के बाद गृह विभाग ने इसके लिये प्रदेश स्तर पर अभियान चलाये जाने के निर्देश देते हुए एडीजी कानून व्यवस्था को इसका नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सीएम धामी ने गृह विभाग और पुलिस के उच्चाधिकारियों के साथ प्रदेश में कानून व्यवस्था और चारधाम यात्रा तैयारियों को लेकर बैठक की। बैठक में सरकारी जमीनों पर हुए कब्जों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने वन भूमि के साथ ही सरकारी भूमि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरु करने और इसके लिए प्रदेश स्तर पर एडीजी कानून व्यवस्था को नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए।

प्रदेश में वन विभाग वन भूमि पर हुए अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान शुरु कर चुका है। अब सीएम ने इसे शहरों और गाँवों में अन्य तरह की सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को भी शामिल करने को कहा है। आने वाले दिनों में अतिक्रमण को लेकर बड़े अभियान होंगे।

परिक्रमा

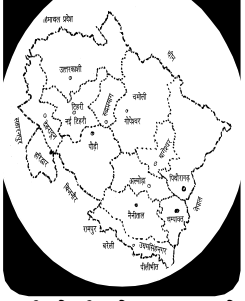

हाईकोर्ट के तीन नये जज थपलियाल, शर्मा, पुरोहित

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में तीन नये जजों ने कार्यभार संभाल लिया है। इनमें वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश थपलियाल अधिवक्ता पंकज पुरोहित और हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल विवेक शर्मा शामिल हैं। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद मुख्य न्यायधीश विपिन सांघी ने इन्हें शपथ दिलाई।

नाव चालक नियमों का पालन करें

नैनीताल। पर्यटन नगरी में सैलानियों की भीड़ के बीच नगर पालिका ने अपने आदेश को दोहराया है कि नाव चालक नियमों का पालन करें अन्यथा 40 हजार तक का चालान किया जायेगा। नाव चालक संघ के अध्यक्ष राम सिंह बिष्ट का कहना है कि नाव संचालकों के पास लाइव जैकेट हैं, कई बार सैलानी इन्हें पहनने के लिये मना करते हैं लेकिन उन्हें पहनना अनिवार्य है। साथ ही कोई भी चालक नशे की हालत में नाव नहीं चला सकता है।

लक्ष्य से अधिक खनन की अनुमति

हल्द्वानी। शासन ने नैनीताल जिले की नन्धौर, दाबका और कोसी नदी में तय लक्ष्य से अधिक खनन की अनुमति दी है। औद्योगिक विकास खनन के अपर सचिव लक्ष्मण सिंह ने इसका आदेश जारी किया। बताते चलें कि एक अक्टूबर से 31 मई तक खनन होता है।

इस बार गौला का जल स्तर गिरा

हल्द्वानी। गौला का जलस्तर पिछले साल की तुलना में 49 क्यूसेक गिरा है। गर्मी बढ़ने के साथ इसमें और गिरावट की आशंका है। बताते चलें कि इससे लालडांट ऊंचापुल, कुसुमखेड़ा को पेयजल सप्लाई होती है।

नहर कवरिंग के बहाने खूब हुई चोरी

हल्द्वानी। वर्ष 2022 से एसबीआई से लेकर नवाबी रोड तक 712 मीटर लम्बी नहर कवरिंग के कार्य की आड़ में लाखों का मलबा चोरी हुआ है। अब हल्ला मचने पर कार्रवाई हो रही है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दशाईथल महोत्सव की झमाझम

गंगोलीहाट। चार दिवसीय दशाईथल महोत्सव की झमाझम देखने को मिली। हालांकि महोत्सव में वही सब देखने को मिला जो इन दिनों जगह-जगह मंचीय प्रस्तुतियों में परोसा जा रहा है। आदित्य मेहरा के प्रयासों से विगत वर्षों से हो रहे इस आयोजन का इस बार उक्रांद नेता काशीसिंह ऐरी ने उद्घाट किया। क्षेत्रीय विधायक फकीरराम टम्टा और कांग्रेसी नेता खजान गुड्डू ने भी अलग-अलग दिनों में आकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कल्याण सिंह धानिक, हिमांशु आगरी, श्यामाचरण उप्रेती, राजेन्द्र लाल, तारासिंह धानिक, राजेन्द्र पन्त, जगदीश भण्डारी, नवीन भट्ट सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

गंगोलीहाट में गंगावली महोत्सव का थम जाना और बेरीनाग में नाग महोत्सव को लेकर धड़े में बंट जाने के बाद इस प्रकार की गतिविधियों के लिये साहस करना कठिन ही है परन्तु संगीत प्रेमी आदित्य मेहरा ने लगातार प्रयास करते हुए दशाईथल कस्बे में आयोजन करते हुए उम्मीद जगाई है। इससे प्रेरणा लेते हुए गंगावली महोत्सव को उसके असल रंग-रूप में किये जाने की जरूरत है।

उत्तराखण्ड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता गरजे

वीरांगनाओं का अधिकार छीन किस धाम की बात कर रही है धामी सरकार : बल्यूटिया

हल्द्वानी। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बयान 'सैन्य धाम में दिखे उत्तराखण्ड की झलक' पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री सैन्य धाम की बात करते हैं, दूसरी तरफ धामी सरकार शहीदों के आश्रतों को उनके अधिकार से वंचित करने के पर आमादा है।

बल्यूटिया ने कहा कि सैनिक व अर्द्ध सैनिक शहीदों के परिवारजनों की भावनाओं को कुचल कर भाजपा ईंटें, गारे के चुनावी सैन्य धाम की तैयारी में जुटी है। इस सरकार ने शहीद सैनिकों एवं अर्द्धसैनिकों के परिवारों व आश्रितों को मिलने वाली 10 लाख रुपये की अनुदान अनुग्रह राशि में पहले रोक लगाई जिसे शहीद सैनिकों की वीर नारियों एवं उनके परिवारजनों ने मा0 उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड में चुनौती दी जिसमें मा0 उच्च न्यायालय शहीदों के पक्ष में फैसला दिया जो धामी सरकार को रास नहीं आया। धामी सरकार ने न्यायालय के फैसले को डबल बेंच में चुनौती दी जिसमें डबल बेंच ने भी पूर्व निर्णय को शहीदों के परिवारजनों के पक्ष में यथावत रखा। शहीदों के अधिकार छिनने पर आमादा धामी सरकार ने बिना कोई कसर छोड़े शहीदों के परिवारजनों को मिलने वाली 10 लाख अनुदान अनुग्रह राशि नहीं देने की मनसा से मा0 सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुज्ञा याचिका दायर की है जो वर्तमान में लम्बित है। इससे साफ पता चलता है कि सैन्य धाम भाजपा सरकार के सिर्फ और सिर्फ चुनाव साधने का शिगूफा भर है। सैनिकों व शहीदों के परिवारजनों से सरकार को कोई हमदर्दी नहीं है। बल्यूटिया ने कहा कि यदि सरकार सही मायने में सैनिक परिवारों के कल्याण की बात करती है तो सबसे पहले मा0 सर्वोच न्यायालय में शहीद सैनिक व अर्धासैनिक परिवारों को मिलने वाले 10 लाख रुपये के अधिकार में रोक लगाने हेतु दायर विशेष अनुज्ञा याचिका (pecial leave to appeal) को वापस ले और शहीदों के परिवारजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दे।

किमतोली-खालगढ़ा मोटर मार्ग की बदहाली पर आक्रोश और प्रदर्शन

लोहाघाट। किमतोला-खालगढ़ा मोटर मार्ग की दयनीय हालातों पर गुस्साए टैक्सी चालकों ने लोनिवि के खिलाफ प्रदर्शन किया। गुमदेश टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष मदन सिंह धौनी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे चालकों ने कहा कि किमतोली से खालगढ़ा तक करीब दो किलोमीटर और किमतोली से चौकड़ी तक 5 किमी सड़क पर जगह-जगह गड्डे बने हुए हैं। जिससे वाहन चालकों के अलावा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा खतरा बने हुए इस मोटर मार्ग को शीघ्र नहीं सुधारा गया तो उग्र आन्दोलन किया जायेगा। चालकों के साथ क्षेत्रवासी भी समर्थन में हैं।

कल्याणिका देवस्थानम डोल का वार्षिकोत्सव

अल्मोड़ा। कल्याणिका हिमालय देवस्थानम डोल आश्रम का वार्षिकोत्सव श्रीमद्भागवत कथा के साथ आरम्भ हुआ। कथा व्यास उमेश भाई ओझा थे। बाबा कल्याण दास के सानिध्य में हुए समारोह में सांस्कृतिक संध्या के अन्तर्गत वृन्दावन से आई टीम ने रासलीला मंचन किया। साथ ही स्थानीय कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

अभिनव और हीरा का स्वागत

हल्द्वानी/डीडीहाट। विश्व ट्रांसप्लान्ट खेलकूद में देश का नाम रोशन करने वाले अभिनव पांगती और हीरा दास्पा का स्वागत किया गया। पर्थ, आस्ट्रेलिया से स्वदेश लौटने पर इन दोनों खिलाड़ियों का हल्द्वानी में जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा स्वागत किया गया। डीडीहाट में भी नगर पालिका, जोहार जनजाति समिति, युवा क्लब, वाल्मीकि संगठन के साथ स्थानीय लोगों ने ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। सम्मान समारोह में अभिनव के पिता दुष्यन्त पांगती, भाई दिवाकर पांगती, परिजन दीक्षा, मीनाक्षी, शिव मर्तोलिया, कवीन्द्र शाही, लाकेश भड़, योगेश वृजवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

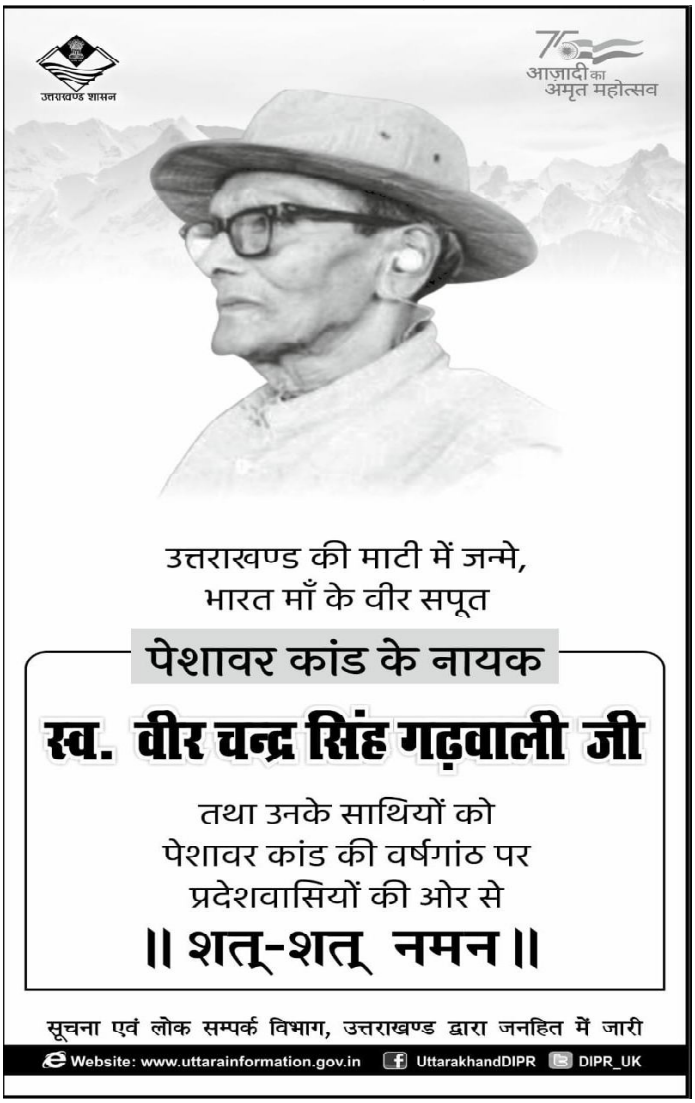

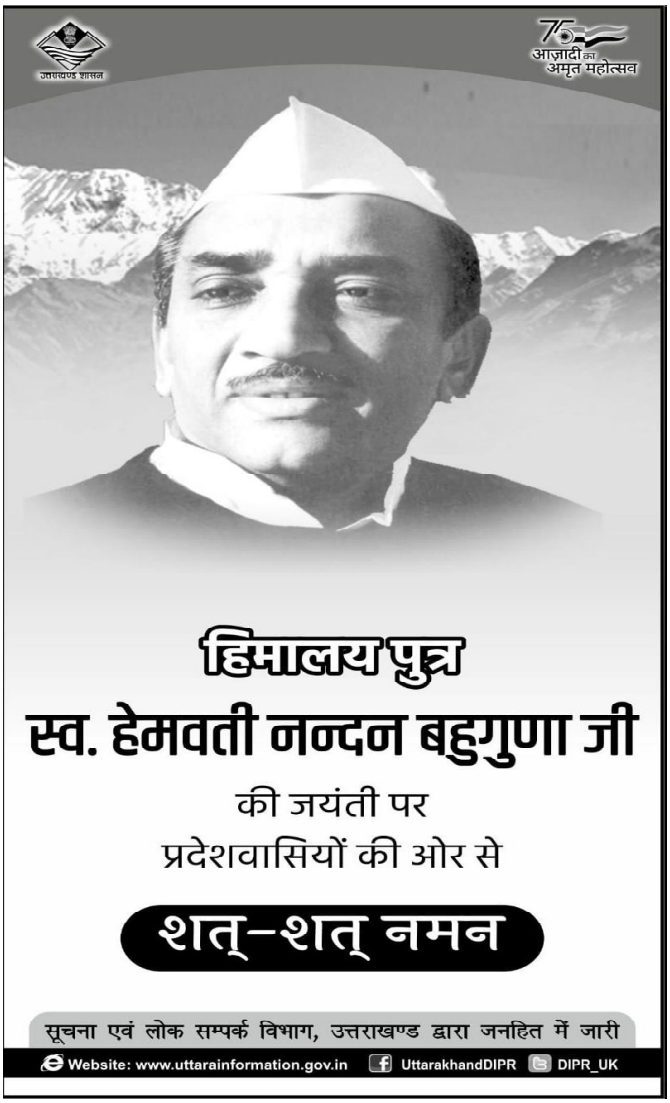

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ग्रीष्मकालीन पर्यटन, धार्मिक यात्रा सीजन में हार्दिक शुभकामनाएं-

प्रवेश आरम्भ.....

इंस्प्रेशन ऑफ टैक्नालाजी कालेज

नैनीताल रोड,

हल्द्वानी

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
8 मई- चतुर्थी व्रत
15 मई- अपरा एकादशी व्रत
19 मई- वटसावित्री व्रत
19 मई- अमावस्या

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)